पाठ 7.4 : अपने हिस्से में लोग आकाश देखते हैं

विनोद कुमार शुक्ल

DHQJJP

*1 जनवरी सन् 1937 को राजनाँदगाँव में जन्मे **विनोद कुमार शुक्ल** का पहला कविता संग्रह **लगभग जयहिंद** सन् 1971 में प्रकाशित हुआ था। उन्हें दूसरे कविता संग्रह **'वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहनकर विचार की तरह'** के लिए रज़ा पुरस्कार प्राप्त हुआ। उनके रचना संसार में उपन्यास **नौकर की कमीज़, खिलेगा तो देखेंगे, दीवार में एक खिड़की रहती थी** और **पीली छप्पर वाली झोंपड़ी और बौना पहाड़** तथा कहानी संग्रह **पेड़ पर कमरा** और **महाविद्यालय** भी शामिल हैं। कविता संग्रह **सब कुछ होना बचा रहेगा** पर उन्हें सन् 1992 में रघुवीर सहाय स्मृति सम्मान मिला।*

अपने हिस्से में लोग आकाश देखते हैं
और पूरा आकाश देख लेते हैं
सबके हिस्से का आकाश
पूरा आकाश है।
अपने हिस्से का चंद्रमा देखते हैं
और पूरा चंद्रमा देख लेते हैं।

सबके हिस्से की जैसी–तैसी साँस सब पाते हैं
वह जो घर के बगीचे में बैठा हुआ
अखबार पढ़ रहा है
और वह भी जो बदबू और गंदगी के घेरे में जिंदा है।
सबके हिस्से की हवा वही हवा नहीं है।

अपने हिस्से की भूख के साथ
सब नहीं पाते अपने हिस्से का पूरा भात
बाजार में जो दिख रही है
तंदूर में बनती हुई रोटी
सबके हिस्से की बनती हुई रोटी नहीं है।
जो सबकी घड़ी में बज रहा है
वह सबके हिस्से का समय नहीं है।
इस समय।

अभ्यास

पाठ से

1. ''सबके हिस्से का आकाश व पूरा चंद्रमा'' देख लेने से कवि का क्या तात्पर्य है?
2. घर के बगीचे में अखबार पढ़ रहे व्यक्ति और बदबू के घेरे में जिंदा व्यक्ति की हवा में क्या अंतर है और क्यों?
3. कौन लोग अपने हिस्से की भूख के साथ अपना भात नहीं पा रहे हैं?
4. बाजार में दिखती तंदूर में बनी हुई रोटी सबके हिस्से की रोटी क्यों नहीं है?
5. सबकी घड़ी में बज रहा है, वह समय सबके लिए समान नहीं है। इसका क्या अभिप्राय है?

पाठ से आगे

DHZFLC

1. क्या अपने हिस्से की चीजें पाकर हमें संतुष्ट हो जाना चाहिए? कारण सहित अपने विचार दीजिए।
2. हमारे समाज में लोगों की आवश्यकताओं के संदर्भ में कहाँ–कहाँ विसंगतियाँ दिखाई देती हैं, उन्हें चिह्नित कीजिए और एक सूची बनाइए।
3. सबको बराबरी के अवसर मिलें, इसके लिए हमारे संविधान में क्या–क्या प्रावधान हैं?

भाषा के बारे में

DI9BMZ

1. इन शब्दों को हम और किन–किन नाम से जानते हैं– आकाश, चंद्रमा, बगीचा, घर, हवा।
2. 'चंद्रमा' और 'आकाश' पर दो–दो मुहावरे लिखिए।
3. 'बदबू' शब्द में 'बद' एक उपसर्ग है। सामान्यतः उर्दू शब्दों में यह लगता है। आप ऐसे पाँच शब्द लिखिए जिसमें 'बद' उपसर्ग लगा हो।
4. 'गंदगी' शब्द में 'गी' प्रत्यय लगा है। उर्दू शब्दों में यह लगता है। 'गी' प्रत्यय लगाकर आप कोई पाँच शब्द बनाइए।

योग्यता विस्तार

DII7PM

1. सूर, कबीर, तुलसी के 'पद' और विनोद कुमार शुक्ल की कविता की भाषा में क्या अंतर है? लिखिए।
2. नई कविता के बारे में अपने शिक्षक से चर्चा कीजिए या पुस्तकालय की पुस्तकों का अध्ययन कर जानकारी प्राप्त कीजिए।
3. अपने आस–पास के लोगों के जीवन की असमानता को देखिए और उस पर अपने विचार लिखिए।

आन्तरिक मूल्यांकन

- आन्तरिक मूल्यांकन को मौखिक और लिखित गतिविधियों में क्रमश : 10 और 15 अंक में बांटा गया है।
- आन्तरिक मूल्यांकन वर्षपर्यंत होने वाली शिक्षण प्रक्रिया के साथ ही पूरा करवाया जाएगा तथा इनका आंकलन किया जाएगा।
- गतिविधियों और परियोजना कार्य को जांचने के आधार बिंदु/निर्देश शिक्षकों को उपलब्ध करवाए जायेंगे।
- किताब में से कोई भी दो परियोजना कार्य और सुझाई गई निम्नांकित गतिविधियाँ आन्तरिक मूल्यांकन का हिस्सा मानी जाएगी।
- दी गई गतिविधियों में से विद्यार्थी अपनी सुविधा अनुसार निर्धारित संख्या में किन्ही गतिविधियों और परियोजना कार्य का चयन कर सकेंगे।

आंतरिक गतिविधियों को जांचने के आधार

1. आडियो सुनकर चर्चा करना

1. मुख्य विषय/मुद्दे सम्मत बात
2. तर्क पूर्वक विचार करना
3. दूसरों की बातों को धैर्य पूर्वक सुनते हुए अपनी प्रतिक्रियाएँ देना
4. आत्मविश्वास पूर्वक अपनी बात कहना
5. भाषिक संरचना/वाक्य संरचना

2. किसी घटना, लेख, चर्चा के मुख्य बिन्दुओं को लिखना–

1. महत्वपूर्ण बिंदुओं की पकड़
2. अनुक्रम/व्यवस्थितक्रम
3. संक्षिप्तता
4. भाषिक समझ–वाक्य संरचना, वर्तनी

3. सर्वे/संकलन–विश्लेषण व प्रस्तुति–

1. आंकड़ो का समुचित चयन एकत्रीकरण
2. निष्पक्ष विश्लेषण
3. निष्कर्ष की सटिकता
4. भाषिक संरचना–वाक्य संरचना, वर्तनी

4. भाषण/वाद–विवाद/चर्चा–

1. संदर्भ की समझ
2. अपनी बात रखने के लिए उचित तर्कों का प्रयोग
3. उदाहरणों व वक्तव्यों का प्रयोग
4. विचारों का जुड़ाव
5. अपने मत/राय को प्रस्तुत करना
6. सटिक वाक्य संरचना/शब्द भंडार का प्रयोग

5. कविता पाठ/कहानी व नाटक पठन–

1. भावानुरूप पठन
2. आवश्यकतानुसार स्वरों का आरोह–अवरोह, लय
3. भाव–भंगिमा (Xpression)
4. पठन में प्रवाह (Fluency)
5. आत्मविश्वास पूर्वक पठन

6. रोल–प्ले करना–

1. पात्रानुरूप परिवेश में उपलब्ध समग्री का उपयोग
2. पात्रानुरूप भाषा प्रयोग, आरोह–अवरोह व गति के अनुरूप
3. पात्रानुरूप संवाद कथन
4. आत्मविश्वास

7. मुद्दों पर आधारित संवाद/वाद–विवाद

1. विषय का चयन
2. स्वर का आरोह–अवरोह
3. कल्पनाशीलता एवं तर्क का समावेश
4. शब्द का प्रयोग, शब्द निर्माण
5. भाव–भंगिमा
6. साथी से तालमेल
7. आत्मविश्वास

8. जीवनवृत लिखना–

1. व्यक्ति विषयक आवश्यक जानकारी
2. विचारों का व्यवस्थित लेखन
3. तारतम्यता
4. वाक्य संरचना, वर्तनी, विराम चिन्ह

9. लेखन–निबंध/अनुच्छेद/रिपोर्ट लेखन–

1. थीम विकसित करना
2. विचारों की क्रमबद्धता
3. वाक्य संरचना
4. भाषिकता–वर्तनी, विराम चिह्न

10. पत्र लेखन

1. उचित प्रारूप
2. विषय की समझ
3. विचारों की क्रमबद्धता
4. वाक्य संरचना–वर्तनी, विराम चिह्न

●●●